डेढ़ लाख लोगों ने ब्रह्मकुंड में लगायी डुबकी

राजगीर | कार्यालय संवाददाता

ऐतिहासिक ब्रह्म कुंड में शनिवार को सिमरिया घाट के पीठाधीश्वर स्वामी चिदात्मन् जी महाराज ऊर्फ फलाहारी बाबा के 33 करोड़ देवी-देताओं का आह्वान और आरती के साथ मलमास मेले की शुरुआत की गयी। इसके पहले करीब आधी रात से ही ब्रह्म कुंड में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होने लगी थी।

जीवन के समस्त पापों को मिटाने और मोक्ष की प्राप्ति के उद्देश्य से मेले के पहले दिन करीब डेढ़ लाख लोगों ने ब्रह्म कुंड में डुबकी लगायी। स्नान के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। राजगीर की सभी सड़कें श्रद्धालुओं से पटी रहीं। लोगों की भीड़ इतनी कि दिन-रात का फर्क मिटा रहा। व्यवस्था को दुरुस्त बनाये रखने के लिए आलाधिकारी और पंडा कमेटी

मलमास मेले का उद्घाटन करते मंत्री प्रेमकुमार व एसएन आर्य, मुख्य सचेतक श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, डीएम संजय कुमार अग्रवाल व अन्य।

के दर्जनों स्वयंसेवी पसीना पोंछते रहे। हालांकि पहले दिन की चुस्त व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को अधिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा।

मेले के उद्घाटन समारोह में स्वास्थ्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि भारत तीर्थ स्थलों का देश है। जितने तीर्थ स्थल भारत, खासकर बिहार में हैं, शायद ही किसी अन्य देशों में हैं।

यही कारण है कि अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक पर्यटक भारत

मलमास मेला

- आधी रात के बाद से ही कुंड में डुबकी लगाने को उमड़ने लगी भीड़
- तीर्थाटन मंत्रालय का गठन करे केन्द्र : अश्विनी चौबे
- इंटरनेशनल टाउनशिप का रूप लेगा राजगीर
- शहर के विकास को बनेगा मास्टर प्लान : प्रेम

आते है। इनको हर तरह की सुविधा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय का गठन किया गया है। यह मंत्रालय पर्यटकों को भारत की ओर खींचने में काफी हद तक सफल भी है। ऐसे में जरूरत है कि केन्द्र सरकार तीर्थाटन मंत्रालय का गठन करे। नगर विकास मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि वैसे तो बिहार में कुल 139 शहर हैं। पहले चरण में सूबे के 28 शहरों के विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान पर काम शुरू किया गया है। इस प्लान में नालंदा जिले के एकमात्र शहर बिहारशरीफ को शामिल किया गया था। लेकिन अब इस प्लान में राजगीर को भी शामिल कर लिया जाएगा। राजधानी को ग्रेटर पटना बनाने के लिए मास्टर प्लान का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

वहीं राजगीर को इंटरनेशनल टाउनशिप का रूप देने के लिए बृहत् मास्टर प्लान बनाने पर काम शुरू कर दिया गया है। राजगीर को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के उद्देश्य से गिरियक पहाड़ी के पास उच्च क्षमता वाली नलकूप लगायी जाएगी। मंत्री सुखदा पाण्डेय ने कहा कि जिस तरह समुद्र मंथन के बाद अमृत निकला था उसी प्रकार बारह महीने के मंथन के बाद मलमास का निर्माण किया गया है।